आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

माँ कात्यायनी
छँठवा नवरात्री

बर्ष :12 अंक :281 पृष्ठ -4 दिनांक 08अक्टूबर 2024 दिन मंगलवार

तिरुपति के प्रसाद में मिलावट का रुड़की से कनेक्शन,भोले बाबा के नाम से थी घी फैक्ट्री

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापा मारा. हालांकि, छापेमारी के दौरान फैक्ट्री पिछले एक महीने से बंद पाई गई

आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट मामले में रुड़की के पास भगवानपुर स्थित एक फैक्टरी का नाम जुड़ा है. ये फैक्टरी 'भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी मिल्क प्राइवेट लिमिटेड' के नाम से चल रही थी और यहां से तिरुपति मंदिर के लिए घी की आपूर्ति की जा रही थी. तिरुपति मंदिर को सप्लाई किए गए घी में मिलावट की खबर फैलने के बाद इस फैक्ट्री पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापा मारा. हालांकि, छापेमारी के दौरान फैक्ट्री पिछले एक महीने से बंद पाई गई.जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री के मालिक देहरादून में रहते हैं और वहीं से पूरा कारोबार संचालित करते हैं. फैक्टरी मालिक का घी और तेल का अन्य राज्यों में भी कारोबार है. इसके साथ ही ये भी पता चला है कि फैक्ट्री सस्ते दामों पर घी बेच रही थी, ऐसे में सवाल उठता है कि इतनी कम कीमत पर देशी घी कैसे बनाया जा रहा था. जानकारों के मुता. बिक 12 किलो दूध से लगभग 1 किलो देसी घी मिलता है. जबकि बाजार में इसकी कीमत लगभग 600 रुपये प्रति किलो है. इसके विप. रीत, फैक्ट्री केवल सवा तीन सौ से सवा चार सौ रुपये प्रति किलो के हिसाब से घी बेच रही थी, जो असामान्य रूप से सस्ता था. इस सस्ते घी के पीछे मिलावट का संदेह बढ़ गया है.देहरादून से जुड़ा मिलावटी प्रसाद का कनेक्शन तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट का खुलासा आंध्र प्रदेश के वाणिज्य कर विभाग द्वारा मिले बिलों के आधार पर हुआ. मंदिर को हजारों

क्विंटल घी सप्लाई किया गया था. इस घी की गुणवत्ता पर सवाल उठने के बाद इसकी जांच शुरू की गई. जिसमें पता चला है कि घी की सप्लाई भगवानपुर स्थित इस फैक्ट्री से हो रही थी, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह घी सस्ते दामों पर बेचा जा रहा था.छापेमारी के बाद अब जांच देहरादून तक पहुंच गई है. क्योंकि वहीं से ये सारा कारोबार चल रहा था. फैक्ट्री संचालकों से संपर्क नहीं हो पाया है.क्योंकि उनके फोन बंद हैं. खाद्य सुरक्षा उपायुक्त आरएस रावत ने बताया कि फैक्ट्री में उत्पादन बंद होने के कारण अभी जांच में बाधा आ रही है. सभी जरूरी दस्तावेज और सामान जब्त कर लिए गए हैं. रावत ने यह भी कहा कि इस मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा. मिलावटी घी मामले में जांच तेजतिरुपति लड्डुओं में घी की मिलावट का मामला सामने आने के बाद उत्तराखंड में भी खाद्य सुरक्षा विभाग ने व्यापक जांच अभियान चलाया. इस दौरान राज्यभर में विभिन्न ब्रांड्स के घी के 113 सैंपल एकत्र किए गए, जिनमें से 23 सैंपल दे. हरादून से लिए गए थे. सभी सैंपल रुद्रपुर स्थित लैब में भेजे गए हैं, जहां उनकी जांच की जा रही है. खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि एक महीने के भीतर सभी सैंपल की रिपोर्ट आ जाएगी, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि घी असली था या नकली. उत्तराखंड खाद्य सुरक्षा उपायुक्त आरएस रावत ने कहा, "तिरुपति के प्रसाद में घी की मिलावट का मामला सामने आने के बाद राज्यभर में जांच अभियान चलाया गया है. अब तक 113 सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं. सभी जरूरी दस्तावेज और साक्ष्य जब्त कर लिए गए हैं. हमें उम्मीद है कि एक महीने के भीतर सैंपल रिपोर्ट मिलने के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी."तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट के बाद श्रद्धालुओं की भावनाएं बहुत आहत हुई हैं. इससे खाद्य सुरक्षा के मानकों पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं. आने वाले दिनों में इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना है. जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि देशी घी की सप्लाई में आखिर कितनी बड़ी मिलावट हो रही थी और इसके पीछे कौन–कौन से लोग शामिल थे.

काली माता का वो मंदिर जहां मां की पायलों की गूं. जती है आवाज, 450 साल पुराना है इतिहास

पश्चिमी यूपी में महाकाली का एक ऐसा मंदिर है, जहां मां की पायलों की आवाज गूंजती है. जहां मां का रौद्र रूप हर मनोकामना पूरी करता है. मां के दर्शन मात्र से ही सारे दुख और संताप दूर हो जाते हैं. मंदिर की ख्याति देश के कोने–कोने से है, क्योंकि जो भी मंदिर में आया और माता के दर पर माथा टेककर गया, उसकी खाली झोलियां भर जाती हैं. इस मंदिर का क्या है इतिहास, क्या है इस मंदिर की मान्यता, कहां के पुजारी करते हैं मां के मंदिर में पूजा और देखभाल. मेरठ के सदर काली माता मंदिर की क्या है मान्यता और क्यों यहां हर कष्ट का निवारण हो जाता है?मेरठ के सदर बाजार में महाकाली का मंदिर प्राचीन और सिद्धपीठ मंदिर है. इस मंदिर को सदर काली माता मंदिर के नाम से जाना जाता है. मंदिर को मरघटवाली काली माता का मंदिर भी कहा जाता है. बताया जाता है कि जहां मां का मंदिर है सैकड़ों साल पहले कभी वहां श्मशान भी हुआ करता था. इसलिए श्मशान काली माता का मंदिर भी कहा जाता है. जो भी मां के मंदिर में आकर सच्चे मन से मन्नत मांगता है उसकी हर मनोकामना पूरी हो जाती है. कभी कोई मां के दरबार से खाली नहीं जाता है. मां से आस्था की डोर ऐसी बंध जाती है कि फिर वो यहीं का हो कर रह जाता है. अमावस्या पर पायलों की आती है आवज सदर काली माता मंदिर की एक और बात चौंकाने वाली है. मंदिर के पुजारी संकेत बनर्जी का दावा है कि हर अमावस्या को मंदिर में मां के पायलों की आवाज आती है, मां के आने के कदमों का अहसास भी होता है. अमावस्या को मां की विशेष पूजा अर्चना की जाती है और विशेष कृपा भी होती है. अमावस्या को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह भी देखने को मिलता है. भक्त इस वजह से भी मंदिर आते हैं कि उन्हें मां की पायलों की आवाज सुनाई दे जाए, लेकिन कुछ ही भक्त ऐसे भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें मां की पायलों की आवाज सुनाई देती है. मां का नारियल और चुनरी का प्रसाद चढ़ाया जाता है.सदर काली माता मंदिर का इतिहास 450 साल से भी ज्यादा पुराना बताया जाता है. मंदिर में बंगाली पुजारियों की 14वीं पीढ़ी मां के मंदिर की देखभाल और पूजा–अर्चना करती है. मंदिर की स्थापना करीब 450 साल पहले पश्चिमी बंगाल से आए नीलकंठ बनर्जी ने की थी. तभी से उनका परिवार ही मंदिर की जिम्मेदारी संभालता है. इस बंगाली परिवार की कई पीढ़िया मां की पूजा–अर्चना करती आ रही हैं. इस वक्त 14वीं पीढ़ी पर मां काली मंदिर की जिम्मेदारी है. सदर काली माता मंदिर के पुजारी संकेत बनर्जी का कहना है कि हमारे पूर्वजों ने मंदिर की स्थापना की थी, तभी से हमारी पीढ़ियां यहां माता की पूजा–अर्चना करती हैं और मंदिर की जिम्मेदारी संभालती हैं.महाआरती में उमड़ता है सैलाब सदर काली माता मंदिर की मान्यता दूर–दूर तक है. नवरात्र में तो यहां भक्तों का मेला लगता है. मां काली की विशेष आरती भी की जाती है और दूर–दूर से श्रद्धालू यहां मन्नत मांगने आते हैं. जो भी एक बार माता के दर पर आ गया, उसकी मां ने खाली झोलियां भर डाली. मां का रौद्र रूप हर संकट को हर लेता है. नवरात्र में तो तड़के चार बजे से पहले ही भक्तों का आना–जाना शुरू हो जाता है, क्योंकि कई भक्त ऐसे हैं कि जो मां की पूजा ब्रहम मुहूर्त में करते हैं. श्रद्धा और आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ता है कि मंदिर के बाहर तक भी भक्तों की कतारें लग जाती हैं. मां की महाआरती में आस्था और श्रद्धा की गंगा में श्रद्धालू खूब डुबकी लगाते हैं.

जिला जेल में निकली राम बारात, जमकर . नाचे कैदी, खुब किया मनोरंजन

नवरात्रों के दिनों में सभी जगहों पर रामलीलाओं की धूम है. हरिद्वार की जिला कारागार में भी अलग तरह की अनूठी रामलीला चल रही है. यहां के कैदी ही रामलीला के सभी पात्रों को निभा रहे हैं. जिला कारागार हरिद्वार में चल रही रामलीला के दौरान आज खास नजारा देखने को मिला. रामलीला में निकाली गई राम बारात में कैदी जमकर थिरके नजर आए. जेल परिसर में निकली राम बारात में बैंड की धुनबजी तो कैदियों ने खूब डांस किया. राम की बारात में डांस करने के लिए कैदी कूद पड़े और ढोल नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके. इन दिनों जिला कारागार हरिद्वार में रामलीला का आयोजन किया गया है. जिसमें जिला कारागार में बंद कैदी मंचन कर रहे हैं.

वरिष्ठ जेल अधीक्षक मनोज कुमार आर्य और 40वीं पीएससी के उपसेनानायक सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि जिला कारागार में दशहरे के दिन तक रामलीला चलेगी. जिसके लिए एक महीने से जेल में बंद कैदी तैयारी कर रहे थे. उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में आज राम बारात निकाली गई है इस दौरान सभी राम बारात की मस्ती में इस तरह लीन हो गए.

कांग्रेस हर जगह सबसे ज्यादा सीटों पर लड़ती है लेकिन . BJP को हरा नहीं पाती- सपा का दावा

हरियाणा विधानसभा चुनाव के रुझान अब नतीजों में बदलने लगे हैं. इसमें देखा जा सकता है कांग्रेस की हार हो रही है जबकि बीजेपी बड़े अंतर से चुनाव जीत रही है. इस बीच समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला है. सपा के मीडिया सेल के हेड मनीष जगन ने प्रतिक्रिया दी है.सपा नेता ने कहा, श्कांग्रेस को हर जगह सबसे ज्यादा सीटों पर लड़ना होता है, लेकिन कांग्रेस कहीं भी बीजेपी को हरा नहीं पाती. पहले लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने सभी राज्यों में क्षेत्रीय दलों से जिद करके अधिक सीटें लीं, और परिणाम यह हुआ कि क्षेत्रीय दलों का परफॉर्मेंस तो बीजेपी के खिलाफ अच्छा था लेकिन कांग्रेस का परफॉर्मेंस एकदम खराब था और परिणामतः बीजेपी ने फिर से केंद्र में सरकार बना ली.श्इन राज्यों का उदाहरण दिया मनीष जगन ने कहा, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और अन्य कांग्रेस के प्रभावशाली वे राज्य जहां कांग्रेस बीजेपी को हरा सकती थी लेकिन नहीं हरा पाती है क्योंकि कांग्रेस का उद्देश्य बीजेपी को हराने के बजाय क्षेत्रीय दलों के खिलाफ साजिश करने में लगा रहता है.श्उन्होंने कहा, कब तक देश कांग्रेस को ढोएगा ? बीजेपी के खिलाफ तीसरा मोर्चा बनना ही चाहिए और सपा यूपी में, आरजेडी बिहार में, टीएमसी बंगाल में, डीएमके तमिलनाडु में, एनसी जम्मू कश्मीर में, आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में ऐसे अन्य कई राज्य हैं जहां बीजेपी क्षेत्रीय दलों से हारती है और हार सकती है.श्अपनी प्रतिक्रया में सपा नेता ने कहा ऐसे सभी दलों को अपने अपने राज्यों में समन्वय करके तीसरा मोर्चा बनाकर बीजेपी को हराना चाहिए. सपा ने हरियाणा में कांग्रेस को पूरा मैदान खाली दिया, अपने पैर पीछे खींच लिए, गठबंधन का सम्मान करते हुए कांग्रेस को हरियाणा में सपा को सीटें देनी चाहिए थीं और अखिलेश यादव जी की जनसभाएं लगानी चाहिए थीं, लेकिन कांग्रेस तो अपने ही अहंकार में थी. श्जबकि सपा नेता आईपी सिंह ने कहा, श्चुनाव खत्म होते ही विपक्ष EVM की बातें बन्द कर देता है. EVM है तो भाजपा है. आज जो खेल हरियाणा में बीजेपी खेल रही है इसे सबसे पहले बिहार फिर उत्तर प्रदेश में खेल चुकी है. चुनाव आयोग को विपक्ष निशाने पर नहीं लेता जैसे ही चुनाव खत्म होता है हम भूल जाते हैं. महाराष्ट्र और झारखंड में भी आगे यही खेल बीजेपी करेगी.

महोबा में भीषण सड़क हादसा, मदारी समेत 2 बंदरों की मौत, परिवार के सात सदस्य घायल

यूपी के महोबा में तेज रफ्तार कार और ऑटों के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें एक मदारी, उसके दो बंदरों की मौत हो गई, जबकि मदारी की पत्नी और बेटी समेत परिवार के सात सदस्य बुरी तरह घायल हो गए हैं. इस घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया है. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया. इनमें से तीन की हालत बेहद गंभीर है जिसके बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है. औरैया जनपद के फफूंद गांव निवासी 55 साल के रहमत शाह मदारी का खेल दिखाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे. उनके पास एक बंदर को जोड़ा था, जो उनकी रोजी रोटी का साधन था. इनके सहारे 9 सदस्यों का ये परिवार चल रहा था. परिवार को जितना गम मदारी की मौत का है उतना ही अफसोस बंदर के जोड़े का है. वो दोनों भी उनके परिवार के सदस्य जैसे थे और उनके भरण पोषण का एकमात्र जरिया थे. परिवार ने प्यार से उनका नाम अनिल कपूर और श्रीदेवी रखा था.शराब के नशे में था ऑटो चालक मृतक के भाई तौफीक शाह ने बताया कि रहमत शाह अपना खेल तमाशा करने के लिए कबरई से मौदहा जा रहे थे. उनके साथ पत्नी, बेटी और बहन और चार भतीजे भी थे. ये सभी टेंपो में सवार होकर जा रहे थे. सबसे आगे रहमत शाह बैठे थे. उन्होंने अपनी गोद में दोनों बंदरों के जोड़े को बिठाया था. जबकि उसका भाई तौफीक अपनी पत्नी के साथ बाइक से आगे–आगे चल रहे थे. ऑटो चालक शराब के नशे में था. जिसके बाद वो सामने से आ रही कार से टकरा गया. टक्कर इतनी जोरदार थी ऑटो में आगे की सीट पर बैठे मदारी रहमत शाह और उसके बंदरों की मौत हो गई जबकि परिवार के सात लोग घायल हो गए. हादसे के बाद चीख–पुकार मच गई. घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. रहमत शाह की मौके पर ही मौत हो गई. इस हादसे में उसकी 50 साल की पत्नी मदनी, 50 साल की बहन लहिकन समेत सात लोग घायल हो गए हैं. इनमें से तीन की हालत बेहद गंभीर है.

सीओ सिटी दीपक ने बताया कि कार से ऑटो टकरा जाने के कारण ये हादसा हुआ है. पुलिस ने कार और टेंपो दोनों कब्जे में ले लिया है. घायलों का इलाज कराया जा रहा है. जिनमें तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर कर दिया गया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.।

हारी जिंदगी की जंगरू तेजाब से झुलसी छात्रा ने तोड़ा दम, बेटी की चीख सुन अब भी सदमे में परिजन, हिरासत में आरोपी

अमरोहा में हुए तेजाब हमले में झुलसी छात्रा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।तेजाब से झुलसी आठवीं की छात्रा की मेरठ में इलाज के दौरान मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस द्वारा मेरठ में उसका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। छात्रा की मौत से परिजनों में सदमे में है। उधर, नामजद पिता–पुत्र को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। शाम तक छात्रा का शव गांव पहुंचने की संभावना है।रहरा थानाक्षेत्र के गांव में रविवार की रात किसान अपने परिवार के सदस्यों के साथ घर में सोए हुए थे। रात में करीब तीन बजे उनकी बेटी लघुशंका के लिए उठी थी। तभी किसी ने घर के दरवाजे पर आवाज लगाई। जैसे ही छात्रा ने दरवाजे की खिड़की खोली, तभी गांव के पिता–पुत्र ने उसे पकड़ लिया।इसके बाद उसे जंगल में ले जाकर जमकर पीटा। बाद में उसके शरीर पर तेजाब डाल दिया था। घटना में छात्रा बुरी तरह झुलस गई थी। कुछ देर बाद छात्रा घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई थी। छात्रा को झुलसी हालत में देखकर परिजन घबरा गए थे।पुलिस को बगैर सूचना दिए परिजनों ने उसका मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराने का प्रयास किया। लेकिन मामले में पुलिस कार्रवाई नहीं होने की वजह से मेरठ में उसे भर्ती नहीं किया गया था। तेजाब के हमले में छात्रा 60 फीसदी झुलस गई थी। सोमवार की दोपहर परिजनों ने थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई। झुलसी छात्रा को सीएचसी में प्राथमिक उपचार करने के बाद फिर मेरठ ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सोमवार की मध्य रात्रि उपचार के दौरान छात्रा ने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। इस मामले में छात्रा के भाई ने पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रहने वाले पिता–पुत्र के खिलाफ तहरीर दी थी। जिसके आधार पर पुलिस ने पिता–पुत्र के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि झुलसी छात्रा की उपचार के दौरान मेरठ में मौत हो गई है। मेरठ में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद शव गांव ले जाया जाएगा।

यति के बयान पर बवाल, मेरठ में पुलिस पर पथराव... अलीगढ़ में छात्रों का प्रदर्शन गाजियाबाद में 16 मामले दर्ज

महंत और जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद के पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान पर बवाल जारी है। मेरठ में पुलिस पर पथराव हुआ है। अलीगढ़ में छात्रों ने प्रदर्शन किया। गाजियाबाद में 16 मामले दर्ज हुए हैं और 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।गाजियाबाद के डासना के देवी मंदिर के महंत और जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद के पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान से यूपी में उठा बवाल थम नहीं रहा। मेरठ के साथ अलीगढ़, आगरा, एटा व कन्नौज में सोमवार को मुस्लिम समाज के लोग सड़कों पर उतरे तो गाजियाबाद में यति के समर्थकों ने प्रदर्शन किया। मेरठ में मुंडाली में बिना अनुमति प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। यहां भीड़ ने रोके जाने पर पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस ने यहां 30 नामजद और 150 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। जुलूस में शामिल युवा और बच्चे तलवार और लाठी–डंडे लहराते हुए धार्मिक और देशविरोधी नारेबाजी कर रहे थे। अलीगढ़ में एएमयू के छात्रों में उबाल दिखा। हजारों की संख्या में छात्रों ने विरोध मार्च निकाला। यहां मखदूम नगर निवासी मो. अक. बरकी तहरीर पर भी नरसिंहानंद के खिलाफ जीरो एफआईआर के तहत विवादित टिप्पणी करने का मामला दर्ज किया गया। आगरा में भी उत्तर प्रदेश मुस्लिम महापंचायत ने कलेक्ट्रेट तक मार्च निकाला।उधर, गाजियाबाद में बवाल के बाद दोनों पक्षों की ओर से कुल अब 16 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें 16 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। वहीं, सहारनपुर के शेखपुरा में हुए रविवार को हुए बवाल के मामले में सीसीटीवी फुटेज और वीडियो के आधार पर कई अन्य उपद्रवियों की पहचान हो गई है। जिन 13 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया था, उन्हें सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।गाजियाबाद में यति के समर्थकों का हंगामा नरसिंहानंद के समर्थकों ने सोमवार को गाजियाबाद पुलिस आयुक्त के दफ्तर के बाहर हंगामा प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस अफसरों से सवाल किया कि आखिर यति नरसिंहानंद कहां हैं?। इस पर अधिकारियों ने सिर्फ इतना कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं। पुलिस ने कविनगर थाने में 150 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।13 को महापंचायतकाएलान यति नरसिंहानंद सरस्वती फाउंडेशन की महासचिव डॉ. उदिता त्यागी ने कहा कि अगर जल्द ही महामंडलेश्वर नहीं मिलते हैं तो हिंदू संगठन 13 अक्तूबर को महापंचायत करेंगे। उनका दावा है कि पुलिस पांच अक्तूबर को बम्हेटा के पार्षद प्रमोद यादव के घर से महामंडलेश्वर को ले गई थी। इसके बाद से उनका कुछ पता नहीं चल रहा है।मास्को से एमटेक, लंदन में नौकरी, अब 80 केस दर्ज...विवादों में नरसिंहानंदपैगंबर को लेकर दिए बयान के बाद विवादों में घिरे डासना के देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद का असली नाम दीपक त्यागी है। बुलंदशहर के शिकारपुर तहसील के हिरनौट गांव के मूल निवासी से महामंडलेश्वर बनने तक का नरसिंहानंद का सफर चुनौती भरा रहा है। दीपक त्यागी के पिता राजेश्वर दयाल त्यागी सेना के सीडीएस विभाग में नौकरी करते थे। मेरठ और हापुड़ में शुरुआती पढ़ाई करने के दीपक ने मास्को से एमटेक किया है।1992 में उन्होंने मैथमेटिक्स ओलंपियाड में रिकॉर्ड बनाया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह कपड़ों की ट्रेडिंग करने लगे। इसके बाद लंदन में नौकरी की। 1996 में उनकी शादी हुई। गाजियाबाद लौटने के बाद उन्होंने राजनीति में अपने कदम बढ़ाए और सपा के महानगर अध्यक्ष बने। यति नरसिंहानंद ने 2001 में दो साल की बेटी और पत्नी को छोड़कर संन्यास ले लिया। 2002 में ब्रहानंद सरस्वती से दीक्षा ली और यति नरसिंहानंद सरस्वती बन गए। कुछ दिनों तक दूधेश्वरनाथ मंदिर में रहे। संतों ने डासना देवी मंदिर का महंत बनाया। भड़काऊ और आपत्ति. जनक बयान समेत कई विवादों में अब तक 80 केस दर्ज हो चुके हैं।

महाकुंभ में शामिल हो सकते हैं 50 करोड़ श्रद्धालु, पर्यटन मंत्री बोले– 10 दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे सारे काम

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अगले वर्ष जनवरी 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ की तैयारियों की जानकारी दी। महाकुंभ के पहले इससे जुड़े कई आयोजन किए जाएंगे।पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ अगले साल प्रयागराज में होगा। 2019 में हुए अर्ध कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ में 50 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के तहत श्रद्धालुओं की सुविधा के काम हो रहे हैं। दो दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तैयारियों की समीक्षा की है। 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे होंगे। प्रधानमंत्री मोदी भी 10 दिसंबर के बाद कभी भी आ सकते हैं। पर्यटन मंत्री मंगलवार को लो. कभवन में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग पूरे विश्व में कुंभ का प्रचार करेगा। हर राज्य व उसकी राजधानी में, यूपी के सभी मंडल पर आयोजन होंगे। सभी अक. ादमियों को अलग–अलग जिम्मेदारी दी गई है। पूरे प्रदेश में रोड शो, बाल कुंभ, कवि कुंभ, भक्ति कुंभ और कला संस्कृति कुंभ का आयोजन होगा। फोटो प्रतियो. गिता और प्रदर्शनी व ी आयोजन हा. गा। उप शास्त्रीय गायन, वादन होगा।

हल्द्वानी में रामलीला देखने आए वकील की गोली मारकर हत्या

हल्द्वानी में सोमवार देर रात रामलीला मंचन के दौरान एक वकील की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान पूरनपुर नैनवाल निवासी 45 वर्षीय उमेश नैनवाल के रूप में हुई. जो लामाचौड़ क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता थे. हत्या का आरोप मृतक के तहेरे भाई दिनेश नैनवाल पर लगा है, और घटना के पीछे जमीन का पुराना विवाद बताया जा रहा है. ये मामला कमलुवागांजा थाना क्षेत्र का है, जहां रामलीला मंचन चल रहा था और सैकड़ों लोग इस धार्मिक आयोजन का आनंद ले रहे थे. इसी बीच, लामाचौड़ के रहने वाले उमेश नैनवाल की उसके ताऊ के बेटे दिनेश नैनवाल के साथ जमीन को लेकर कहासुनी हो गई. देखते ही देखते दोनों की बीच झगड़ा तेज हो गया और दिनेश ने आवेश में आकर उमेश पर गोली चला दी. जमीन विवाद में चलाई गोलीगोली लगते ही उमेश खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा. इसके बाद रामलीला मंचन शामिल होने आए लोगों में अफरा–तफरी मच गई और वो इधर से उधर भागने लगे. पुलिस के अनुसार, उमेश और दिनेश के बीच पिछले कई सालों से जमीन का विवाद चल रहा था. इस विवाद ने समय–समय पर परिवार के बीच तनाव बढ़ाया था. लेकिन, किसी को यह अंदेशा नहीं था कि यह झगड़ा इतना गंभीर हो जाएगा कि इसमें एक की जान चली जाएगी. बताया जा रहा है कि दोनों भाईयों के बीच हाल ही में जमीन के बंटवारे को लेकर बातचीत हो रही थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पाया था. जिसके बाद दिनेश ने यह खौफनाक कदम उठा लिया. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी तलाश शुरू कर दिया है. हल्द्वानी कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस की टीमों को आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा. इस घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है. उमेश नैनवाल के अधिवक्ता होने के कारण वह समाज में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे. उनकी इस तरह से हत्या ने लोगों को हिला कर रख दिया है. वहीं परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है.

हरियाणा की जिन 19 विधानसभा सीटों पर सीएम योगी ने की रैली वहां क्या है हाल? 4 सीटों पर कांग्रेस आगे

देश में जम्मू कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा के चुनाव हुए थे जिसके आज नतीजे आ रहे हैं. इस चुनाव में जम्मू कश्मीर में एक तरफ कांग्रेस गठबंधन आगे बढ़ रहा है तो वहीं हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी जीत की तरफ आगे बढ़ रही है. इस चुनाव में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की भी डिमांड हरियाणा और जम्मू दोनों राज्यों में थी. सीएम योगी ने 6 दिनों में दोनों प्रदेशों में मिलकर कुल 19 विधानसभा चुनाव में रैलियां की थी.सीएम योगी ने जिन सीटों पर रैलियां की थी उसमें लगभग दो तिहाई सीटों पर भाजपा को बढ़त है. जम्मू में जिन सीटों पर सीएम योगी गए थे वो सीटें थी छंब, रामगढ़, आर एस पुरा, रामनगर और कठुआ. इसमे छंब विधानसभा सीट पर निर्दलीय आगे हैं ,वहीं रामगढ़ विधानसभा , आर एस पुरा, विधानसभा , रामनगर विधानसभा और कठुआ विधानसभा में भा. जपा को बढ़त हैसीएम योगी ने हरियाणा में जिनविधानसभा सीटों पर प्रचार किया वह 13 सीटें हैं इनमें 8 सीटें पर भाजपा को बढ़त हैं, वहीं 5 सीटों में 4 पर कांग्रेस और एक पर बसपा को बढ़त है. सीएम द्वारा प्रचार किए गए जिन सीटों पर बीजेपी आगे है वह सीटें हैं नरवाना, राई,असंध , फरीदाबाद एनआईटी , रादौर, बावनी खेड़ा, हांसी विधानसभा और सफीदों विधानसभा है. वहीं अटेली विधानसभा सीट पर बसपा कुछ वोटों से आगे चल रही है. इसके अलावा जगाधरी विधानसभा,नारनौंद विधानसभा,शाहबादविधानसभा और कलायत विधानसभा में कांग्रेस आगे है. सीएम योगी आदित्यनाथ ने 6 दिनों में 19 रैलियां की थी जिसमे जम्मू कश्मीर में 5 रैलियां और हरियाणा में 14 जनसभाएं थी.ये जनसभाएं 22 सितंबर से शुरू हुई थी.

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक समाचार के लिये जिला ब्यूरो चीफ, ब्लॉक मण्डल ब्यूरो चीफ, ब्लॉक ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा
सम्पादक करें
मो:8218049162,8273402
जननायक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक,प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का व्याय क्षेत्र जनप अलीगढ़ व्यायलय ही होगा।

हिंदू राजाओं के साथ थी सर सैयद की गहरी मित्रता, एएमयू के निर्माण में की थी मदद

एएमयू के उर्दू एकेडमी के पूर्व निदेशक डॉ. राहत अबरार ने बताया कि सर सैयद अहमद की हिंदू राजाओं और बुद्धिजीवियों से दोस्ती थी। इनमें महाराजा इश्वरी प्रसाद नारायन सिंह (काशी नरेश, बनारस), राजा टीकम सिंह मुरसान, राजा जय किशन दास (मुरादाबाद) आदि शामिल हैं।अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के संस्थापक सर सैयद अहमद खान की हिंदू राजाओं और बुद्धिजीवियों से गहरी मित्रता थी। सर सैयद के एमएओ कॉलेज के निर्माण में हिंदुओं ने आर्थिक मदद की थी। यही एमएओ कालेज आज एएमयू है।अलीगढ़ से सर सैयद अहमद का 15 अगस्त 1867 को बनारस के लिए तबादला हो गया। इसके बाद उन्होंने तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर राजा जय किशन दास को साइंटिफिक सोसाइटी की जिम्मेदारी दी थी। वह उनके सबसे खास दोस्तों में से एक थे।उन्होंने सर सैयद को उनके शैक्षिक आंदोलन में हरसंभव मदद और सहयोग दिया था। जब उनका यहां तबा. दला हो गया, तब उन्हें सोसाइटी का आजीवन सह–अध्यक्ष बना दिया था। 30 अप्रैल 1905 को उनका निधन हो गया। उनके शोक में एमएओ कॉलेज एक दिन के लिए बंद रहा।इनसे भी रही दोस्तीएएमयू के उर्दू एकेडमी के पूर्व निदेशक डॉ. राहत अबरार ने बताया कि सर सैयद अहमद की हिंदू राजाओं और बुद्धिजीवियों से दोस्ती थी। इनमें महाराजा इश्वरी प्रसाद नारायन सिंह (काशी नरेश, बनारस),
राजा टीकम सिंह मुरसान, राजा जय किशन दास (मुरादाबाद), महाराज दि. ग्विजय सिंह (बलरामपुर), राजा मधु सिंह (अमेठी), राव हिंदुपत (अलीपुर), लाला होतीलाल (हाथरस), मुंशी हनुमान प्रसाद (आगरा), लाला हरवंश लाल (गाजीपुर), मुंशी नवाब किशोर (लखनऊ), बख्शी नंद किशोर (हाथरस),
पंडित नंद किशोर (संभल), राय नारायन दास (बनारस), मुंशी नवाब राय (दातागंज, बदायूं), सरदार नेहाल सिंह (लाहौर), मोहनलाल (हाथरस), राय मन राय (आगरा), पंडित मनफूल मियां (पंजाब), लाला गुलाब सिंह (मुरादाबाद), लाला किशन सहाय (मेरठ), बाबू काली प्रसून सिंह (कलकत्ता), राय शंकर दास मुंसिफ (अमरोहा) आदि शामिल हैं।एमएओ कॉलेज की चहारदीवारी के निर्माण में हिंदुओं ने भी दान दिया था। इनमें काशीनाथ बिस्वास, राय बख्त सिंह मेवाड़, प्यारेलाल, बाबू मधुसूधन सिंह बनारस, राजा शंभू नारायन सिंह बनारस, राय नारायन दास, बाबू केशव राम, बाबू सीताराम बनारस, राना शंकर बख्श, जग. मोहन सिंह, शिव पाल, राजा अजीत पाल सिंह, राजा श्रीपाल सिंह, राय मधु प्रसाद, ठाकुर शंकर रंजन सिंह आदि ने दान दिया था।

चाय की दुकान पर सिलिंडर में लगी आग, मची खलबली

अलीगढ़ के रेलवे स्टेशन रोड पर एक चाय की दुकान पर अचानक रखे गैस सिलिंडर में आग लग गई। जिससे वहां खलबली मच गई।थाना सिविल लाइन क्षेत्र के रेलवे स्टेशन रोड पर चाय की एक दुकान पर अचानक सिलिंडर में आग लग गई। इससे वहां पर खलबली मच गई। आग लगने पर दुकानदार ने सिलिंडर को सड़क पर फेंक दिया । सड़क पर सिलेंडर फेंकने के बाद दोनों तरफ से यातायात बाधित हो गया। सड़क पर पड़े गैस सिलिंडर में काफी देर तक आग लगती रही। चाय की एक दुकान पर अचानक सिलिंडर में आग लग गई। इससे वहां पर खलबली मच गई। आग लगने पर दुकानदार ने सिलिंडर को सड़क पर फेंक दिया। सड़क पर पड़े गैस सिलिंडर में काफी देर तक आग लगती रही।

अखिल भारतीय करणी सेना महिला शक्ति का कार्यकारिणी विस्तार

अखिल भारतीय करणी सेना महिला शक्ति की प्रदेश अध्यक्ष ममता सिंह के आह्वान पर महानगर प्रभारी पूजा सेंगर के दिशा निर्देशन एवं महानगर अध्यक्ष पूनम सिंह के नेतृत्व में आज महानगर कार्यकारिणी का विस्तार एटा चुंगी स्थित चंद्र बिहार कॉलोनी में किया गया। मशहूर कवयित्री भारती शर्मा जी को वरिष्ठ महानगर उपाध्यक्ष , रजनी शर्मा को महानगर मंत्री, ममता सिंह को महानगर उपाध्यक्ष एवं द्रौपा देवी को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी बहनों को प्रदेश मंत्री सुगंधि वार्ष्णेय ने फूलमाला पहना सम्मानित किया। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारती गौतम ने सभी बहनों को नियुक्ति पत्र दिए। प्रदेश अध्यक्ष ममता सिंह ने सभी नवनियुक्त बहनों को बधाई दी और कहा संगठन परिवार की तरह होता है इसलिए हर दायित्व को निष्ठापूर्वक निभाना होता है। महानगर प्रभारी पूजा सेंगर एवं महानगर अध्यक्ष पूनम सिंह ने सभी बहनों को बधाई दी।

रॉयल क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 100 बोल टूर्नामेंट में रॉयल सुप्रीम चौलेंजर्स जीता

आज का मैच रॉयल सुप्रीम चौलेंजर्स तथा रॉयल अचीवर्स के बीच खेला गया जिसमें रॉयल अचीवर्स ने पहले बल्लेबाजी करके मात्र 110 रनों का टारगेट सामने वाली टीम के लिए रखा जिसको रॉयल सुप्रीम चौलेंजर्स ने आसानी से प्राप्त कर लिया और इसी जीत के साथ रॉयल सुप्रीम चौलेंजर्स की टीम अभी भी टूर्नामेंट में बनी हुई है । चौलेंजर्स की तरफ से मैन ऑफ द मैच रहे आदित्य वार्ष्णेय ने 45 रन की पारी खेली और तीन विकेट भी लिए , आज के मैच में इलेक्ट्रिक प्लेयर अतुल वार्ष्णेय घोषित हुए ।डी ए बी ग्राउंड पर आज आशु गुप्ता गैस,पीयूष गुप्ता प्रिंस मनीष वार्ष्णेय, विपिन वार्ष्णेय, अतुल राजा जी ,भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक , प्रतीक , तरुण सैमसंग , मनीष मैक्स , विष्णु छा आदि उपस्थित रहे ।

तेज गति वाहन से टकराई बाइक, हुई मौत, तीन महीने बाद थी शादी, परिवार में छाया मातम

छर्रा–अतरौली–युवक की गांव में एक युवती से शादी तय हो गई थी। उसकी लगभग तीन माह बाद शादी थी। शादी से पहले ही युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जिसकी वजह से दोनों परिवारों में मातम छा गया है।होनी को यही मंजूर था। युवक की शादी तय हो गई थी और तीन महीने बाद घर में खुशियों का आगमन होना था। अतरौली से अपने गांव बाइक से लौटते समय छर्रा–अतरौली मार्ग पर भुड़िया के निकट वाहन से टकराकर घायल हो गया। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा, जहां से चिकित्सकों ने अलीगढ़ के लिए रेफर कर दिया। उपचार को ले जाते समय युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।छर्रा थाना के गांव धनसारी निवासी 25 वर्षीय गजनवी पुत्र कमाल मियां राज मिस्त्री का कार्य करता था। वह बाइक से 7 अक्टूबर को मोटरसाईकिल का सामान लेने अतरौली गया था। उसकी देर शाम वापिस आते समय छर्रा–अतरौली मार्ग स्थित गांव भुडिया के निकट सामने से आ रहे तेज गति के वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा। वहां चिकित्सकों ने युवक की गंभीर हालत को देखते हुए अलीगढ़ के लिए रेफर कर दिया। रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अपने पीछे माता–पिता, एक भाई और एक बहन को रोता–बिलखता छोड़ गया। तीन माह बाद होनी थी शादी परिजनों के अनुसार युवक की गांव में एक युवती से शादी तय हो गई थी। उसकी लगभग तीन माह बाद शादी थी। शादी से पहले ही युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जिसकी वजह से दोनों परिवारों में मातम छा गया है।

जिलाधिकारी ने टीएचआर प्लांट गभाना का किया निरीक्षण

अलीगढ ़जिलाधिकारी विशाख जी0 ने सोमवार को टीएचआर प्लांट का निरीक्षण किया। एनआरएलएम के अन्तर्गत ब्लॉक चण्डौस के गभाना में अन्नपूर्णा प्रेरणा महिला लघु उद्योग समूह द्वारा टीएचआर प्लांट का संचालन किया जा रहा है। डीएम ने प्लांट संचालिका श्रीमती पवन को निर्देशित किया कि प्लांट में साफ–सफाई रखते हुए उत्पादन को मानक एवं गुणवत्ता के अनुरूप रखा जाए। निरीक्षण के दौरान प्लांट क्रियाशील पाया गया।सोमवार को जिलाधिकारी गंभाना पहुॅचे और टीएचआर प्लांट का अवलोकन करते हुए तैयार हो रही रेसिपी प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पोषण आहार तैयार कर स्वावलंबन की नई इबारत लिख रही हैं। उन्होंने कार्य कर रही महिलाओं को निर्देशित किया किया कि तैयार होने वाले पुष्टाहार की गुणवत्ता को बनाए रखा जाए। उन्होंने डीसी एनआरएलएम एवं बीडीओ को निर्देशित किया कि निर्मित हो रहे पुष्टाहार की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इस दौरान डीएम ने वजन मशीन से तैयार प्रोडक्ट का वजन कराया और पुष्टाहार की गुणवत्ता भी परखी।टीएचआर प्लांट पर तैयार हो रही रेसिपी रूपीडी भाल चन्द त्रिपाटी ने बताया कि प्लांट में आटा बेसन हलवा, ऊर्जायुक्त हलवा, आटा बेसन बर्फी प्रिमिक्स, मूंग दाल खिचड़ी 03 वर्ष से 06 बर्ष आयु तक के बच्चों के लिए और आटा बेसन बर्फी प्रिमिक्स, मूंग दाल खिचड़ी गर्भवती व धात्री महिलाओं के लिए तैयार की जाती है।निरीक्षण के दौरान सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, पीडी भाल चन्द त्रिपाठी, बीडीओ राहुल वर्मा, डीपीओ के0के0 राय, सीडीपीओ अनिल दत्तात्रेय उपस्थित रहे।

आवारा गौवंश खुले में छोड़ना पड़ेगा भारी–नगर निगम ने शुरू किया आवारा पशु पकड़ो अभियान

आवारा गौवंश खुले में छोड़ना पड़ेगा भारी–नगर निगम ने शुरू कियाआवारा पशु पकड़ो अभियाननगर आयुक्त की चेतावनी–खुले में आवारा गौवश छोडना पशुपालकों को पड़ेगा मंहगानगरीय क्षेत्र में सड़कों पर आवारा गौवंश पर लगाम लगाने के लिये नगर निगम ने आवारा पशु पकड़ो अभियान शुरू कर दिया है।नगर आयुक्त विनोद कुमार ने कहा सड़कों पर आवारा विचरण करने वाले गौवंश दुर्घटना का कारण बन रहें है इसको नगर निगम ने गंभीरता से लिया है। शहर में आवारा गौवंश के विचरण पर प्रभावी रोक लगाने के लिये नगर निगम द्वारा निरंतर अभियान चलाकर गौवंश को गौशाला में छोड़ा जा रहा है।नगर आयुक्त ने बताया पशु चिकित्सा व कल्याण अधिकारी डॉ राजेश वर्मा के निर्देशन में मंगलवार अपरान्हः 12 बजें से शुरू हुये आवारा पशु पकड़ो अभियान के तहत सायं तक 17 गौवंश को पकड़ने की कार्यवाही नगर निगम कैटल क्रेचर टीम द्वारा की गयी और सभी गौवश को नगर निगम की गौशाला में भिजवाया गया है।नगर आयुक्त ने कहा कि आगामी त्यौहारों को देखते हुये सभी पशुपालक अपने समस्त पशुओं को आहते अपनी अभिरक्षा में रखें। अन्यथा की स्थिति में यदि किसी पशुपालक के पशु सड़क पर आवारा घुमते हुये पाये जाते है तो उनको पकड़ कर सम्बन्धित पशुपालकों के विरूद्ध नगर निगम अधिनियिम 1959 की सुसंगम धाराओं के अन्तर्गत विधिक कठोरात्मक कानूनी कार्यवाही की जायेगी और भारी जुर्माना वसूला जायेगा। इसके साथ–साथ आवारा पशुओं के विचरण से यदि कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी सम्बन्धित पशु पालक की होगी।

मोमोज, चाउमीन या फिर समोसा... कौन सा फास्ट फूड है सबसे ज्यादा खतरनाक

मोमोज, चाऊमिन और समोसा का नाम सुनते ही मुंह में पानी आने लगता है. बहुत से लोग तो दिन–दिनभर इसी पर गुजार देते हैं. अगर आप भी ऐसा करते हैं तो संभल जाइए, क्योंकि तीनों ही फास्ट फूड भले ही स्वादिष्ट हैं लेकिन इन्हें खाने से सेहत को गंभीर नुकसान हो सकते हैं. इनकी वजह से कई तरह की खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं. कई ऑर्गन्स भी डैमेज हो सकते हैं. अगर आपको तीनों में से कोई एक भी चीज पसंद है तो तुरंत इससे दूरी बनानी चाहिए. जानिए मोमोस, चाऊमिन और समोसे में से कौन सा फास्ट फूड सबसे ज्यादा खतरनाक है...

मोमोज के नुकसान –मोमोज अनहेल्दी फूड होता है. इसमें पत्ता गोभी की स्टफिंग की जाती है. अगर ठीक से पकाया न जाए तो टैपवार्म के बीजाणु भी हो सकते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हैं. मोमोज में स्टफ की जाने वाली सब्जियां और चिकन, लंबे समय तक स्टोर करने से खराब हो जाती हैं, जो हेल्थ के लिए हानिकारक हो सकती हैं मोमोज में स्वाद के लिए मोनो–सोडियम ग्लूटामेट का इस्तेमाल होता है, जो सफेद क्रिस्टल पाउडर जैसा होता है. इससे मोटापा, नर्व डिसऑर्डर, पसीना आना, सीने में दर्द, मतली आना और हार्ट रेट बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसके अलावा मोमोज की लाल चटनी का रंग गहरा करने के लिए इसमें कई केमिकल्स और कलर मिलाए जाते हैं, जो पेट में दर्द, जलन, एसिडिटी और बवासीर को बढ़ा सकते हैं. मार्केट में मिलने वाले मेयोनीज में प्रिजर्वेटिव, आर्टिफिशियल इंग्रीडिएंट्स ज्यादा मिलाए जाते हैं. इसमें सैचुरेटेड फैट भी होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाकर हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ा सकते हैं.चाऊमिन खाने के साइड इफेक्ट्सडॉक्टर्स का कहना है कि चाऊमीन में स्वाद बढ़ाने के लिए खत. रनाक एसिड का इस्तेमाल किया जाता है, जो सेहत के लिए काफी नुकसानदेह है. इस एसिड से फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है. यह लिवर, किडनी तक को डैमेज कर सकता है. चाऊमीन में डाला जाने वाला अजीनोमोटो के कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं. इससे दिल की बीमारियां बढ़ सकती हैं, बच्चों की सेहत सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती है.

समोसा क्यों नहीं खाना चाहिए –समोसा मैदे से बना एक स्वादिष्ट फास्ट फूड होता है. मैदा शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है. इसे खाने से ब्लड शुगर, हार्ट प्रॉब्लम या मेटाबोलिज्म रेट कम होने का खतरा रहता है. समोसे को कई बार फ्राई किया जाता है. डीप फ्राइड समोसा कैंसर का रिस्क भी पैदा कर सकता है.गूंथे मैदे में नमक मिलाया जाता है जो नींद उड़ा सकती है और वाटर रिटेंशन जैसे परेशानी को बढ़ा सकती है. समोसा खाने से वजन भी तेजी से बढ़ता है, जो कई बीमारियों की वजह बन सकता है. इसे खाने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और कार्डियोवैस्कुलर जैसे खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं.मोमोज, चाऊमिन, समोसा में कौन ज्यादा खतरनाक हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि मोमोज, चाऊमिन और समोसे तीनों ही फास्ट फूड अपने स्वाद और आसान उपलब्धता की वजह से पसंद किए जाते हैं, लेकिन यह बता पाना मुश्किल है कि तीनों में से कौन

सबसे ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है, जैसे तीनों ही फास्ट फूड्स किस तरह बनाए गए हैं, इनमें कौन सी चीजें, कितनी मात्रा में मिलाई गी हैं और इसका कितना और किस तरह सेवन किया जा रहा है.

दिल के मरीज हैं और बढ़ा हुआ है वजन तो ऐसे करें कंट्रोल , वरना बैड कोलेस्ट्रॉल ले सकता है जान

मोटापा दिल से जुड़ी समस्याओं जैसे हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हार्ट फेलियर को कई गुना बढ़ा देता है.ऐसे में दिल की बीमारी को कंट्रोल करने के लिए विशेषज्ञ वजन कम करने और डाइट में सुधार करने की सलाह देते हैं. बढ़ता वजन दिल के मरीजों के लिए घातक होता है. वजन बढ़ने के लिए अनियमित लाइफस्टाइल और खराब खान–पान जिम्मेदार हैं. बिगड़ते खानपान की वजह से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है.जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में बैड कोले. स्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में सुधार करें. अपनी डाइट में फाइबर, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और जरूरी मिनरल्स को शामिल कर आप मोटापे को कंट्रोल करने के साथ हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट से खुद को बचा सकते हैं. आइए जानते हैं दिल के मरीज कैसे अपना वजन कंट्रोल में रख सकते हैंहृदय रोग में वजन कैसे कम करेंरूअपने आहार में साबुत अनाज शामिल करेंरू वजन कम करने के अलावा, साबुत अनाज का सेवन हृदय रोग के जोखिम को कम

करने में भी मदद करता है. आप अपने आहार में रागी, जौ और बाजरा जैसे साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं.हरी सब्जियां खाएंरू वजन कम करने के लिए हृदय रोगियों को अपने आहार में हरी सब्जियों को भरपूर मात्रा में शामिल करना चाहिए. इससे स्वस्थ वजन बनाए रखने और हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिलेगी.

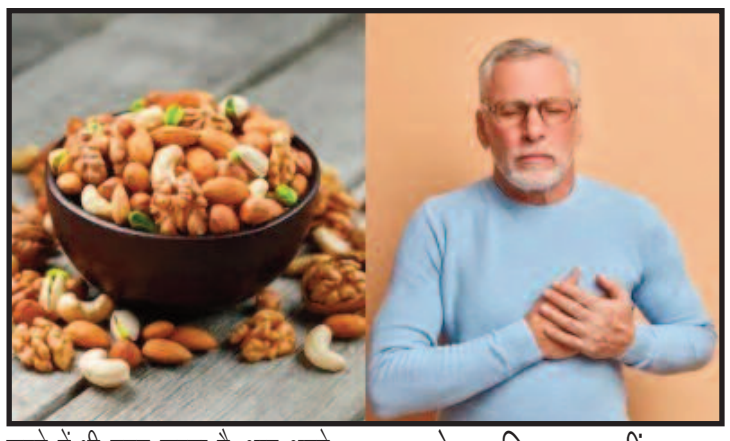

सूखे मेवे खाएं ओमेगा–3 फैटी एसिड के लिए सूखे मेवे खाएं। इनके सेवन से विटामिन ई सहित आवश्यक फैटी एसिड और फाइबर मिलते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं.जंक फूड से बचेंरू अपने हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आपको बाहर का खाना खाना बंद कर देना चाहिए. खासकर हृदय रोगियों को पैकेज्ड फूड का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए.

रोजाना व्यायाम करें आहार के बाद, वजन को नियंत्रित करने के लिए दूसरी सबसे महत्वपूर्ण चीज है अपनी जीवनशैली में व्यायाम को शामिल करना. रोजाना व्यायाम करने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है, जिससे हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है.

किस तरह के खाने से सबसे ज्यादा बढ़ता है मोटापा?

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने मोटापा को एक महामारी की तरह घोषित किया है. यह कोई भी उम्र, जाति या लिंग नहीं देखती बल्कि यह किसी को भी हो सकती है. कोविड महामारी के बाद से इस गंभीर बीमारी ने बच्चों को काफी ज्यादा प्रभावित किया है. इसलिए इससे बच्चों और नौजवानों को बचकर रहने की ज्यादा जरूरत है.

मोटापा के कारण इंसान की इम्युनिटी कमजोर होती है. साथ ही साथ ऑर्गन फेल होने की संभावना भी बढ़ जाती है. आज हम बात करेंगे किस तरह के खाने से मोटापा बढ़ता है. मोटापा किसे कहते हैं? मोटापे को आमतौर पर शरीर में बहुत ज़्यादा चर्बी होने के रूप में कहा जाता है. वयस्कों में मोटापे के लिए 30 या उससे ज़्यादा का बीएमआई सामान्य मानक है. मोटापे से गंभीर चिकित्सा स्थितियों का जोखिम बढ़ जाता है. उपचार में आपके खाने–पीने की आदतों में बदलाव, शारीरिक गतिविधि और मान. सिक स्वास्थ्य सहायता शामिल है. जिस खाने में ज्यादा होती है जैसे जंक फूड, जिसे फैट काफी ज्यादा होता है उसे खाने से मोटापा बढ़ता है.मोटापे का सबसे बड़ा कारण

1. पैकेज्ड फूड्स का ज्यादा सेवनबचपन में मोटापा होना कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकता है. इसकी वजह से कम उम्र में ही डायबिटीज, हार्ट डिजीज और सांस की समस्या हो सकती है. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, भारत के बच्चों का खानपान बिगड़ रहा है, वो बाहर का ज्यादातर खाना खाते हैं. पैकेज्ड फूड्स का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, जो उन्हें मोटा बना रही है. अध्ययनों से पता चला है कि भारत के बच्चों के लिए कई पैकेज्ड फूड्स में चीनी की मात्रा पश्चिमी देशों की तुलना में ज्यादा होती है, जो बच्चों में मोटापे का प्रमुख कारण बन रही है.

2. जंक फूड्स आजकल बिजी ला. इफस्टाइल की वजह से कई पैरेंट्स अपने बच्चों को जंक फूड्स और पैकेज्ड फूड खिला रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें संतुलित भोजन नहीं मिल पाता और पौष्टिकता की कमी से उनमें मोटापा बढ़ रहा है. बच्चों में मोटापा बढ़ने से क्या खतराकई बीमारियां हो सकती हैंमेंटल हेल्थ प्रभावित हो सकता हैभावनात्मक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है

अतिरिक्त वजन बढ़ सकता है

मोटापे की वजह से उनका मजाक बनाया जा सकता है,

जिससे डिप्रेशन और सेल्फ कॉन्फिडेंस गिरता है

बच्चों को मोटापे से बचाने क्या करें

1. पैकेज्ड और जंक फूड्स से बचाएं
2. खाने में जरूरी विटामिन, मिनरल्स और फाइबर दें.
3. हरी सब्जियां और ताजे फल खिलाएं.
4. घर पर बना खाना ही बच्चों को खिलाएं.
5. दिन में ज्यादा से ज्यादा पी पीने के लिए प्रोत्साहित करें
6.कोल्ड ड्रिंक्स या दूसरी मीठी चीजें खाने से बचाएं.बचपन में मोटापा होना कई तरह की बीमारियोंका कारण बन सकता है.इसकी वजह से कम उम्र में ही डायबिटीज, हार्ट डिजीज औरसांस की समस्या हो सकती है. मोटापे की वजह से बच्चों में डिप्रेशन भी बढ सकता है.

खबरों एंव राष्ट्रीय पर्व प्रचार प्रसार एंव शुभकामनायें संदेश हेतू . संम्पर्क करे।

मोः

9870916612

8218049162